THE TIMES OF INDIA
Education Times

MIT-WPU launches new schools to train future architects, construction leaders

First 20 students eligible for the merit scholarship will receive 50% tuition fee waiver

India's rapid urban growth is creating fresh demand for professionals who can design better spaces, manage complex projects and build infrastructure that is sustainable, technology-driven and future-ready. Recognising this opportunity, MIT World Peace University (MIT-WPU), Pune, recently launched the Hafeez Contractor School of Architecture and Makarand Hastak School of Construction Engineering & Management.

Named after Padma Bhushan Hafeez Contractor, the new School of Architecture offers a five-year Bachelor of Architecture (Barch) programme aligned with Council of Architecture guidelines and the NEP 2020. The curriculum combines architectural design, building sciences, digital technologies, sustainability, research, and professional practice. Students will also gain exposure to advanced design studios, climatology and surveying laboratories, material museums, Building Information Modelling (BIM), computational design, and immersive technologies.

The Makarand Hastak School of Construction Engineering & Management will commence from the 2026-27 academic year. Its flagship MBA in Construction Management combines engineering expertise with business leadership. The programme prepares students with competencies in areas such as AI, BIM, digital construction, sustainability, project management and data-driven decision-making, to assume roles in construction, infrastructure, real estate, consulting and project management.

Practical learning will continue to be core to both schools through live projects, internships, expert mentorship, and industry engagement. An MoU between MIT-WPU's Department of Civil Engineering and the Builders Association of India, Pune, will further support experiential learning and placement exposure.

Scholarship Initiative

A key highlight for the inaugural MBA batch is MIT-WPU Pune's merit scholarship initiative. The first 20 eligible students, including 10 girls and 10 boys, will receive a 50% tuition fee waiver. The next 20 eligible students will receive a 20% waiver, subject to University norms and availability.

These programmes offer pathways into architectural practice, urban development, construction leadership, and infrastructure innovation. Both schools will prepare future professionals and leaders who will shape India's built environment from design to execution.

स्वदेश

एमआईटी-डब्ल्यूपीयू ने शुरू किया स्कूल ऑफ कंस्ट्रक्शन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट

एजेंसी, मुंबई

एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (एमआईटी-डब्ल्यूपीयू) ने प्रो. मकरंद हस्तक स्कूल ऑफ कंस्ट्रक्शन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट की शुरुआत की है। यह नई अकादमिक पहल देश के लिए ऐसे प्रोफेशनल्स तैयार करने पर केंद्रित होगी, जो तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ प्रबंधन और नेतृत्व क्षमता से भी लैस हों। शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से शुरू होने वाला यह स्कूल इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, आधुनिक तकनीक और इंडस्ट्री आधारित लर्निंग को एक साथ जोड़कर विद्यार्थियों को भविष्य की इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरतों के अनुरूप तैयार करेगा। इस पहल के तहत विद्यार्थियों को बिल्डिंग इंफॉर्मेशन मॉडलिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , डिजिटल कंस्ट्रक्शन, सस्टेनेबल डेवलपमेंट, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और डेटा आधारित निर्णय लेने की क्षमता जैसे आधुनिक कौशलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

हरिभूमि

एमआईटी-डब्ल्यूपीयू ने शुरू किया स्कूल ऑफ कंस्ट्रक्शन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट

मुंबई। एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी ने प्रो. मकरंद हस्तक स्कूल ऑफ कंस्ट्रक्शन इंजी.एंड मैनेजमेंट की शुरुआत की है। यह नई अकादमिक पहल देश के लिए ऐसे प्रोफेशनल्स तैयार करने पर केंद्रित होगी, जो तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ प्रबंधन और नेतृत्व क्षमता से भी लैस हों। शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से शुरू होने वाला यह स्कूल इंजीनियरिंग और इंडस्ट्री आधारित लर्निंग को एक साथ जोड़कर विद्यार्थियों को भविष्य की इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरतों के अनुरूप तैयार करेगा।

दैनिक भास्कर

MIT-WPU ने भारत के अगली पीढ़ी के इंफ्रास्ट्रक्चर लीडर्स तैयार करने के लिए स्कूल ऑफ कंस्ट्रक्शन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट की शुरूआत की

भास्कर समाचार सेवा

मुंबई। भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट सिटीज और सस्टेनेबल अर्बन डेवलपमेंट में निवेश तेजी से बढ़ रहा है, इसी क्रम में MIT वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (MIT-WPU) ने प्रो. मकरंद हस्तक स्कूल ऑफ कंस्ट्रक्शन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट की शुरूआत की है। यह एक नई एकेडमिक पहल है, जिसे देश के अगली पीढ़ी के इंफ्रास्ट्रक्चर लीडर्स तैयार करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से शुरू होने वाला यह स्कूल इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, टेक्नोलॉजी और इंडस्ट्री-आधारित लर्निंग को एकीकृत करते हुए भविष्य के लिए स्किल्ड प्रोफेशनल्स तैयार करेगा। यह लॉन्च ऐसे समय में हुआ है जब भारत का कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर अभूतपूर्व वृद्धि देख रहा है, जिससे ऐसे प्रोफेशनल्स की मांग बढ़ रही है जो तकनीकी विशेषज्ञता के साथ-साथ लीडरशिप और मैनेजमेंट क्षमताओं का भी समन्वय कर सकें। लॉन्च की घोषणा करते हुए MIT-WPU के कुलपति डॉ. आर. एम. चिटणीस ने कहाः "कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर टेक्नोलॉजी, सस्टेनेबिलिटी और तेजी से हो रहे शहरीकरण के चलते एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। प्रो. मकरंद हस्तक स्कूल ऑफ कंस्ट्रक्शन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट के माध्यम से, हमारा उद्देश्य ऐसे प्रोफेशनल्स तैयार करना है।

हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

MIT-WPU ने शुरू किया प्रोफेसर मकरंद हस्तक स्कूल ऑफ़ कंस्ट्रक्शन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट

जैसे-जैसे भारत इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट सिटी और सस्टेनेबल शहरी विकास में निवेश बढ़ा रहा है, MIT वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (MIT-WPU) ने 'प्रोफेसर मकरंद हस्तक स्कूल ऑफ़ कंस्ट्रक्शन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट' शुरू किया है। यह एक नई एकेडमिक पहल है जिसे देश में इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अगली पीढ़ी के लीडर्स तैयार करने के लिए बनाया गया है। 2026-27 एकेडमिक ईयर से, स्कूल इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, टेक्नोलॉजी और इंडस्ट्री-आधारित लर्निंग को मिलाकर भविष्य के लिए तैयार प्रोफेशनल तैयार करेगा। पढ़ाई में बेहतरीन प्रदर्शन को बढ़ावा देने और होनहार छात्रों को आकर्षित करने के लिए, MIT-WPU ने पहले बैच के लिए मेरिट स्कॉलरशिप की घोषणा की है।

पुण्य नगरी

एमआयटीकडून नवीन शैक्षणिक विभागाची घोषणा

पुणे : देशभरात पायाभूत सुविधा, स्मार्ट सिटी आणि शाश्वतनागरी विकासाचे जाळे वेगाने विस्तारत असताना, या क्षेत्राला कुशल आणि नेतृत्वगुण असलेले मनुष्यबळ पुरवण्यासाठी एमआयटी वर्ल्ड पीस युनिव्हर्सिटीने एक महत्त्वाचे पाऊल उचलले आहे. विद्यापीठातर्फे 'प्रो. मकरंद हस्तक स्कूल ऑफ कन्स्ट्रक्शन इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंट' या नवीन शैक्षणिक विभागाची घोषणा करण्यात आली आहे.

शैक्षणिक वर्ष २०२६-२७ पासून सुरू होणारा हा विभाग अभियांत्रिकी, व्यवस्थापन, आधुनिक तंत्रज्ञान आणि उद्योगधंद्यांच्या प्रत्यक्ष अनुभवाचा मेळ घालत भविष्यातील आव्हानांसाठी सक्षम व्यावसायिक घडवणार आहे.

याबाबत 'प्रो. मकरंद हस्तक स्कूल ऑफ कन्स्ट्रक्शन इंजिनिअरिंग अँड मॅनेजमेंटच्या प्राध्यापक व सल्लागार डॉ. सुषमा कुलकर्णी म्हणाल्या, या स्कूलमध्ये विद्यार्थ्यांना बिल्डींग इन्फॉर्मेशन मॉडेलिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता , डिजिटल कन्स्ट्रक्शन, शाश्वत विकास , प्रोजेक्ट मॅनेजमेंट आणि डेटा-आधारित निर्णयप्रक्रिया यांचे विशेष प्रशिक्षण दिले जाईल. या विभागाचा प्रमुख उपक्रम म्हणून 'एमबीए इन कन्स्ट्रक्शन मॅनेजमेंट' हा फ्लॅगशिप कार्यक्रम सुरू करण्यात येत आहे. विद्यार्थ्यांना प्रत्यक्ष औद्योगिक अनुभव मिळावा यासाठी एमआयटी-डब्ल्यूपीयूने 'बिल्डर्स असोसिएशन ऑफ इंडिया', पुणे सेंटर सोबत सामंजस्य करार केला आहे. या भागीदारीमुळे विद्यार्थ्यांना इंटर्नशिप, थेट उद्योग प्रकल्प, तज्ज्ञांचे मार्गदर्शन, अतिथी व्याख्याने, प्रायोगिक शिक्षण आणि उत्तम रोजगाराच्या संधी उपलब्ध होतील. गुणवंत विद्यार्थ्यांना प्रोत्साहन देण्यासाठी एमआयटी-डब्ल्यूपीयूने पहिल्या तुकडीसाठी विशेष गुणवत्तेवर आधारित शिष्यवृत्ती जाहीर केली आहे. विद्यापीठाच्या नियमांनुसार 'प्रथम येणाऱ्यास प्रथम प्राधान्य' या तत्त्वावर पहिल्या २० पात्र विद्यार्थ्यांना ट्युशन फीमध्ये ५० टक्के सूट दिली जाईल, तर पुढील २० पात्र विद्यार्थ्यांना ट्युशन फीमध्ये २० टक्के सूट दिली जाणार आहे.

दरम्यान, या घोषणेचे औचित्य साधून एमआयटी-डब्ल्यूपीयूमध्ये भविष्यातील कन्स्ट्रक्शन लीडर्स घडवतानाः तंत्रज्ञान आणि व्यवस्थापन कौशल्यांची गरज का आहे? या विषयावर गोलमेज परिषदेचे आयोजन करण्यात आले होते. या स्कूलच्या प्रा.डॉ. सुषमा कुलकर्णी यांनी या चर्चेचे सूत्रसंचालन केले.

દિવ્ય ભાસ્કર

એમઆઈટી-ડબ્લ્યુપીના ઈન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચર લીડર

એમઆઈટી વર્લ્ડ પીસ યુનિવર્સિટીએ પ્રો. મકરંદ હસ્તક સ્કૂલ ઓફ કન્સ્ટ્રક્શન એન્જિનિયરિંગ એન્ડ મેનેજમેન્ટ શરૂ કર્યું છે, જે દેશની આગામી પેઢીના ઈન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચર લીડરોનું નિર્માણ કરવા માટે રચાયેલ એક નવી શૈક્ષણિક પહેલ છે. 2026-27 શૈક્ષણિક વર્ષથી શરૂ કરીને, શાળા એન્જિનિયરિંગ, મેનેજમેન્ટ, ટેકનોલોજી અને ઉદ્યોગ-આગેવાની હેઠળના શિક્ષણને એકીકૃત કરીને ભવિષ્ય માટે તૈયાર વ્યાવસાયિકો તૈયાર કરશે.

THE MRIDUL EXPRESS

MIT-WPU Launches School of Construction Engineering & Management to Build India's Next Generation of Infrastructure Leaders

As India accelerates investments in infrastructure, smart cities, and sustainable urban development, MIT World Peace University (MIT-WPU) has launched the Prof. Makarand Hastak School of Construction Engineering & Management, a new academic initiative designed to build the country's next generation of infrastructure leaders. Commencing from the 2026–27 academic year, the School will prepare future-ready professionals by integrating engineering, management, technology, and industry-led learning. The launch comes at a time when India's construction and infrastructure sector is witnessing unprecedented growth, creating a strong demand for professionals who can combine technical expertise with leadership and managerial capabilities. To address this need, the School will equip students with competencies in Building Information Modelling (BIM), Artificial Intelligence (AI), digital construction, sustainability, project management, and data-driven decision-making, preparing them to lead complex infrastructure projects in India and globally. Announcing the launch, Dr. R. M. Chitnis, Vice Chancellor, MIT-WPU, said: "The construction and infrastructure sector is undergoing a significant transformation driven by technology, sustainability, and rapid urbanisation. Through the Prof. Makarand Hastak School of Construction Engineering & Management, we aim to develop professionals who possess not only strong technical expertise but also the managerial and leadership capabilities required to lead complex infrastructure projects and contribute meaningfully to nation-building." As its flagship programme, the School will offer an MBA in Construction Management, designed to bridge the gap between engineering education and business leadership. The industry-integrated curriculum combines classroom learning with practical exposure to prepare graduates for leadership roles across construction, infrastructure, real estate, consulting, and project management organisations. Reinforcing its industry-centric approach, MIT-WPU also signed a Memorandum of Understanding (MoU) between its Department of Civil Engineering and the Builders Association of India (BAI), Pune Centre. The partnership will facilitate internships, live industry projects, expert mentoring, guest lectures, experiential learning, skill development, and enhanced placement opportunities, ensuring students gain meaningful exposure to real-world industry practices. To mark the launch, MIT-WPU organised a Round Table Conclave on "Building Future Construction Leaders: Why Techno-Managerial Competencies Are Needed?" Moderated by Prof. (Dr.) Sushma Kulkarni, Principal Advisor to the School, the conclave brought together representatives from BAI, CREDAI, ICI, PCERF, and leading construction industry experts. The discussions underscored the growing importance of AI, digital construction, Building Information Modelling (BIM), sustainability, safety, communication, and project management in shaping the future of the infrastructure sector. To encourage academic excellence and attract talented students, MIT-WPU has also announced Merit Scholarships for the inaugural batch. The first 20 eligible students (10 girls and 10 boys) will receive a 50% tuition fee waiver, while the next 20 eligible students (10 girls and 10 boys) will receive a 20% tuition fee waiver, on a first-come, first-served basis, subject to the University's scholarship norms. With a strong emphasis on industry integration, experiential learning, emerging technologies, and leadership development, the Prof. Makarand Hastak School of Construction Engineering & Management aims to create globally competent professionals capable of driving innovation, sustainability, and excellence across India's rapidly evolving construction and infrastructure ecosystem.